भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 3788
बुधवार, 18 दिसंबर, 2024 को उत्तर दिए जाने के लिए

महाराष्ट्र में भारी वर्षा

3788. श्री ओमप्रकाश भूपालसिंह उर्फ पवन राजेनिंबालकर:

क्या पृथ्वी विज्ञान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार इस बात से अवगत है कि विगत पांच वर्षों के दौरान महाराष्ट्र में वर्षा में भारी वृद्धि हुई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या सरकार ने आगामी दस वर्षों में राज्य में होने वाली भारी वर्षा के संबंध में कोई अध्ययन कराया है;
(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;
(घ) क्या सरकार ने उक्त राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में मिट्टी की जल धारण क्षमता के संबंध में कोई अध्ययन कराया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ङ) क्या सरकार ने भूस्खलन की घटनाओं को कम करने के लिए राज्य में मृदा की जल धारण क्षमता में सुधार लाने हेतु कोई योजना कार्यान्वित की है; और
(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) पिछले पांच वर्षों के दौरान महाराष्ट्र में भारी, बहुत भारी और अत्यंत भारी वर्षा की घटनाओं का विवरण अनुलग्नक-1 में दिया गया है। पिछले पांच वर्षों में सबसे अधिक घटनाएं 2019 में और दूसरी सबसे अधिक घटनाएं 2024 में देखी गईं।

(ख)–(ग) अध्ययनों से पता चला है कि जलवायु परिवर्तन के कारण महाराष्ट्र सहित पूरे भारत में अत्यधिक वर्षा की आवृत्ति और मात्रा में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। बदलते मानसून पैटर्न और चरम मौसमी घटनाओं ने देश के विभिन्न हिस्सों को प्रभावित किया है। बदलती जलवायु में ऐसी घटनाओं के लिए अधिक संभावना वाले क्षेत्रों में मध्य भारत, उत्तरी भारतीय क्षेत्र और पश्चिमी हिमालय (अत्यधिक वर्षा) के साथ-साथ उत्तर और उत्तर-पश्चिम भारत और समीपवर्ती मध्य भारत और तटीय राज्य शामिल हैं।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने देश में बदलते वर्षा पैटर्न और पिछले 30 वर्षों में विभिन्न राज्यों और जिलों में इसकी चरम स्थितियों का आकलन किया है। रिपोर्टें https://www.imdpune.gov.in/reports.php/ पर जनता के लिए उपलब्ध हैं। महाराष्ट्र के कुछ जिलों में भारी वर्षा की घटनाओं में वृद्धि देखी गई है।

(घ) जी नहीं।

(ङ) जी नहीं ।

(च) प्रश्न नहीं उठता।

अनुलग्नक 1

वर्ष	जून			जुलाई			अगस्त			सितम्बर			दक्षिण-पश्चिम मानसून ऋतु		
	HR	**VHR**	**EHR**	**HR**	**VHR**	**EHR**	**HR**	**VHR**	**EHR**	**HR**	**VHR**	**EHR**	**HR**	**VHR**	**EHR**
2019	133	70	16	579	191	30	348	167	54	300	82	10	1360	510	110
2020	154	३१	0	253	55	2	414	138	22	82	19	3	903	243	27
2021	242	76	11	412	239	62	70	2	1	306	63	5	1030	380	79
2022	91	14	1	604	236	20	296	80	7	181	33	0	1172	363	28
2023	185	38	0	648	229	24	58	5	0	123	27	1	1014	299	25
2024	194	32	3	670	281	50	240	71	5	193	48	8	1297	432	66

भारी वर्षा (HR): 64.5 मिमी से 115.5 मिमी; बहुत भारी वर्षा (VHR): 115.6 मिमी से 204.4 मिमी ;
अत्यधिक भारी वर्षा (EHR): >204.4 मिमी

*****